मूल्यों से संपन्न देश ही आगे बढ़ सकता है

आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में शिक्षा प्रभाग द्वारा मूल्य, आध्यात्मिक, स्वास्थ्य और पर्यावरण विषय पर शिक्षाविदों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में पूरे देश से तथा नेपाल से 6000 से अधिक शिक्षाविद्ों ने भाग लिया। इस सेमिनार का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय युवा योजना, दिल्ली के निदेशक डॉ.एस.एन.सुब्बा राव ने कहा कि हमारा देश तभी आगे बढ़ सकता है, जब वहां के नागरिक मूल्यों से संपन्न होंगे। इस कार्य में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक यदि मूल्यों से संपन्न होगा तभी वह विद्यार्थी को एक श्रेष्ठ नागरिक बना सकता है। हम सभी की यही अभिलाषा है कि एक सुंदर भारत बने जिसमें सभी को सुख-शांति हो।

गुजरात स्कूल महामंडल, गांधी नगर के प्रमुख संचालक टी.डी.पटेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में दी जा रही मूल्यों की शिक्षा को हमने अपने यहां के स्कूलों में लागू किया तो बच्चों में इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुज़्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि यहां जो शिक्षा दी जाती है वह सिर्फ बतायी ही नहीं जाती है बल्कि उसका अनुभव भी कराया जाता है। देवी-देवताओं का जीवन मूल्यों से संपन्न होने के कारण ही वे महान थे और पूजे जाते हैं। उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन को मूल्यों से संपन्न बनाना है।

शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय ने कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों की शिक्षा हमें मानसिक रूप से सशक्त तो बनाती ही है, साथ ही साथ चरित्र का भी निर्माण करती है। समाज को परिवर्तन करने तथा देश का विकास करने में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

इस कार्यक्रम को मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स के निदेशक डॉ.बीके पांड्यामणि, सूचना एवं जनसज़्पर्क के निदेशक बीके करूणा, मुज़्यालय संयोजक डॉ.आर.पी.गुप्ता, शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ.हरीश शुक्ल ने ज़ी सज़्बोधित किया और अपने विचार रखें।